

[Prof. Madhu Dandavate]

in the press today about what happened in Uttar Pradesh. That is the point I am making.

अध्यक्ष महोदय : मैंने किसी को एलाउ भी बल रहा है ।

(अवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने किसी को एलाउ नहीं किया है ।

(अवधान)

अध्यक्ष महोदय : हरिकेश जी मंरे का तो सिम्पंधी है, लेकिन मंरे लिए किसी का सिम्पंधी नहीं है ।

... (अवधान) ...

MR. SPEAKER: I go by the Advisory Committee's decision. I have gone and I will go according to the Business Advisory Committee.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: If I cannot force you, I cannot force the Home Minister also.

मंरे तां दरवाजा फिर भी बन्द नहीं है ।

(Interruption)\*\*

श्री हरेश कुमार गंगवार (पीनीभीत) : अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरे अपने एडवॉजनिमेंट मोशन के बारे में बात करना चाहता था ।

अध्यक्ष महोदय : बीच में नहीं, वाद में कर लेना ।

you can come at any time.

12.21 hrs.

Some hon. Members then left the House

#### CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported Grounding of two Boeing 707 Aircraft of AIR India in Bombay

SHRI KAMLA MISHRA MADHUKAR (Motihari): I call the attention of the Minister of Tourism and Civil Aviation to the following matter of urgent public importance and request that he may make a statement thereon:—

“Reported grounding of two Boeing 707 Aircraft of Air India in Bombay”

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI A. P. SHARMA): Sir, the Regional Controller of Air Safety at Bombay informed the Director General of Civil Aviation on 27th February 1982 that Air India's B-707 aircraft which was to operate Air India service AI-211, Bombay-Dar-Es-Salaam-Lusaka was withdrawn from service as both No. 3 and No. 4 engines, functioned erratically after start up and stopped running.

Immediately, preliminary investigations were ordered and it came to light that the fuel uplifted from Indian Oil Corporation's Bowser for filling up Star-Board Wing Tank was contaminated with water and sediments.

Stand-by B-707 aircraft which was also re-fuelled from the same Bowser was also found contaminated prior to the release of the flight.

The Bowser and the Ground Storage Tank at the new terminal complex were sealed for detailed examination. The fuel samples collected from the Bowser AR-7 were tested in the IOC laboratory at Bombay and water contamination was confirmed. The water content in the sample was as high as 25 per cent (approximately) as against the maximum permissible limit of 0.003 per cent. The source of contamination which was a portion of the new hydrant has been isolated and sealed.

MR. SPEAKER: May I interrupt you. We, in the Business Advisory Committee, decided yesterday to dispense with the lunch hour. I think the House will agree with this.

'SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

MR. SPEAKER: Now you can continue.

SHRI A. P. SHARMA: As a precautionary measure other refuelling Browsers and storage Tanks are being checked before refuelling other aircraft.

According to the laid-down procedures, both Indian Oil Corporation and Air India should have checked the sample of the fuel before refuelling the aircraft. This was not done by the Indian Oil Corporation and Air India's engineers. Disciplinary action is being taken by Air India against the concerned engineer and he is under suspension. Indian Oil Corporation has also suspended the concerned officers.

As a result of the above the two B-707s were grounded for detailed checks and decontamination of the fuel systems. Consequently, three flights—two to Moscow and one to Dubai were re-scheduled and departed late. The flight to Dar-es-Salaam and Lusaka was operated on 28th February 1982 (12.50 hrs. IST) with another Boeing aircraft.

12.26 hrs.

MR. SPEAKER: *in the Chair.*

श्री कमला मिश्र मधुकर (मांतीहारी) : उपाध्यक्ष जी, इस बयान का मैंने बड़े ध्यान से सुना है और मैं मंत्री जी के प्रति सम्मान प्रकट करता हुआ ममभ्रता हूँ कि इस बयान का फाइल कर रद्दी की टांकरी में फेंक देना चाहिए ।

उपाध्यक्ष महोदय, अखबारों की रिपोर्ट और टाइम्स आफ इंडिया की रिपोर्ट मेरे पास है । तीन दिन तक ये खामोश रहे और

इनके खामोश रहने के बाद यह घटना अखबारों में प्रकाशित हुई और हमने यहां इस पर चर्चा की । उसके बाद सरकार ने कुछ कदम उठाया और वह कदम यह उठाया कि वहां के जूनियर आफिसर्स को सस्पेंड कर दिया और बड़े बड़े मगरमच्छों को छोड़ दिया । इसीलिए मैं कह रहा हूँ कि यह बयान रद्दी की टांकरी में फेंक देने लायक है ।

सवाल केवल इतना है कि बाइंग 707 विमान के ईंधन में मिलावट की गयी और उसमें पानी मिलाया गया । यह जो मिलावट होती है वह आपकी व्यवस्था के कारण होती है क्योंकि आपकी व्यवस्था सड़ी हुई है । उपाध्यक्ष महोदय, देश में मिलावट कहां नहीं होती है ? दूध में, तेलों में, दालों में सभी क्षेत्रों में मिलावट होती है । कौन-सा ऐसा क्षेत्र है जहां मिलावट और भ्रष्टाचार नहीं जाता है । इस में असल में आपका दोष नहीं है । आपने जो व्यवस्था की हुई है, उसी का यह नतीजा है ।

आपके शासनतंत्र में इसीलिए हरिजनों की हत्या हो रही है, इसीलिए आपके एम. एल. ए. और एम. एल. सी. द्वारा डकैतों का समर्थन किया जाता है । आजकल चम्पारण जिले में, बाँतिया में डकैतों द्वारा लोगों को उठाया जाता है और फिर उन्हें छोड़ने के लिए लाखों रुपये की सौदे-बाजी की जाती है, उसके बाद उन्हें छोड़ा जाता है । उसके बाद भी भारत सरकार वैसी है, मिलावट वैसी है, डकैती वैसी ही है । इस तरह से जीवन के साथ खिलवाड़ हो रहा है । प्रशासनतंत्र ठण्डा पड़ चुका है ।

आप जरा सोचिए कि अगर यह हवाई जहाज इस को डिटेक्ट करने के पहले ही उड़ जाता तो कितनी दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो सकती थी और कितने लोगों के जीवन की हत्या हो सकती थी । क्या किसी के जीवन का कोई मूल्य पैसों में आंका जा सकता है ? अगर आपके बयान को ही मान लिया जाए तो आपके विमानों के फ्यूल टैंक की सफाई औरह: मैं और और चीजों में करोड़ों रुपये लग जाएंगे । यह है आपके प्रशासन का हाल ।

[श्री कमला मिश्र मधुकर]

मैं आपसे पूछना चाहूंगा कि क्या यह सही नहीं है कि इस प्रकार की घटना पहली नहीं है? इस से पहले भी ऐसी घटना हो चुकी है जिसके बारे में अखबारों में निकल चुका है। एक हवाई जहाज काठमांडू जाने वाला था उसमें भी ऐसी घटना हुई थी। आपके यहां इंधन की चोरी होती है और उस चोरी में आपके छांटें लोग शामिल नहीं होते हैं। उसमें आपके इंडियन एयर लाइंस के चंजरमैन और इंडियन आयरल के चंजरमैन का भी हाथ रहता है। एक टन फ्यूल का दाम 3500 रुपये होता है और एक टैंक में 50 से 70 टन फ्यूल रहता है। इस तरह हिमाचल लगाए कि कितने लाख रुपयों का गबन होता है और इस तरह की गड़बड़ी होती है। पता नहीं आपकी आंख क्यों बंद रहती है। अगर आपकी आंख बंद रहती तो आप अवश्य तत्परता दिखाते। समय रहते कार्यवाही क्यों नहीं की गई। इंधन की चोरी के मसाले पहलें भी मिले हैं, तब इस बारे में कोई कार्यवाही क्यों नहीं की गई।

विमानों में समूचित मात्रा में तथा विना मिलावट का इंधन डाला जाए, इसके चैक-अप की कोई व्यवस्था अभी तक क्यों नहीं की गई है। यदि कं गई है तो यह घटना क्यों हुई?

इस काण्ड में चार जूनियर अधिकारियों को आपने सम्पेड किया है, नॉन्जिन एयर-पोर्ट टर्मिनल मैनजर को क्यों नहीं कोई तजा दी गई? क्योंकि एयर-पोर्ट की रेल रोड की मारी जिम्मेदारी उमकी होती है।

जब बोइंग 707 में मिलावट भरा इंधन डाला गया तथा पता लग गया तो फिर दूसरे विमान में इसी इंधन को क्यों डाला गया? समय रहते इस कार्यवाही को क्यों नहीं रोका गया?

जब ऐसे दुराचार का पता चल गया तो भी तीन दिन तक आप सामोश रहे?

क्या इंधन की चोरी एवं मिलावट में कुछ बड़े अधिकारियों का हाथ है जो इस तरह के कर्म का धन इकट्ठा करते हैं और विमान यात्रियों के जीवन के साथ खिलवाड़ करते हैं?

क्या ऐसा कार्य दोषद्रोह नहीं है? यदि है तो जब सरकार हड़ताल करने वाले मजदूरों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत कार्यवाही करती है तो ऐसे दोष-द्रोही तत्वों के विरुद्ध कानून का कानून लाया जा रहा है?

क्या इंधन के अंडर ग्राउंड की समय-समय पर नियमित जांच की व्यवस्था है? यदि है तो क्या है और नहीं तो क्यों नहीं है?

इंधन के अंडर ग्राउंड टैंकों को संत्रेण्ट करने की कोई व्यवस्था सरकार ने क्यों नहीं की?

क्या सरकार कोई गारंटी दे सकती है कि ऐसी कदाचार की घटना फिर नहीं दोहराई जाएगी तथा इसके लिए आपके पास कानून की व्यवस्था है।

पेट्रोलियम मंत्री जो भी यहां पर बैठे हैं। उनका भी पता होना चाहिए कि न केवल इंडियन एयर लाइंस, बल्कि पेट्रोलियम डिपार्टमेंट भी इसमें इन्वाल्व है, इमलिए आप भी जवाब दीजिए कि पेट्रोलियम विभाग का इसमें हाथ है या नहीं है। जिसकी वजह से मिलावटी पेट्रोल मंगाई किया गया और समय रहते इसको चैक-अप क्यों नहीं किया गया?

श्री अन्त प्रसाद शर्मा : माननीय उपाध्यक्ष महोदय मद्रम्य ने कुछ बातें ऐसी कही हैं जो इस कानिंन-अटेंशन से संबंधित नहीं हैं। वे बातें तथ्यपूर्ण हैं या नहीं, वे स्वयं ममभक्त मकते हैं।

माननीय मद्रम्य ने एक प्रश्न किया है कि दूर से कार्यवाही क्यों की गई? मैं माननीय मद्रम्य और माननीय मदन की सूचना के लिए बताना चाहता हूँ कि कार्यवाही में कोई देरी नहीं हुई है। जैसे ही इस बात का पता चला, उमी वक्त इस संबंध में कार्यवाही की गई। प्रिलिमिनरी इन्वैस्टिगेशन की गई और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार पाए गए, उनके खिलाफ कार्यवाही की गई।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (नई दिल्ली): उमी समय मदन में बयान क्यों नहीं दिया गया?

श्री कमला मिश्र मधुकर : ऐसी घटनाएं पहले भी हुई हैं ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : जहां तक इस तरह की घटनाओं के पहले होने की बात है, यह बिलगुल गलत है। इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है, सिवाय एक घटना...

(व्यवधान)

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Why did he wait? Why did the Minister wait for a Call Attention motion to be moved in Parliament? Why did he not come *suo motu*?

(Interruptions)

SHRI A. P. SHARMA: I could not come to the House on Sunday. (Interruptions) I could not come to the House on Sunday.

This incident has taken place on Saturday.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Sunday was a holiday.

SHRI CHITTA BASU (Barasat): On Monday you could have made a statement *suo motu*.

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मधुकर जी के सवाल के जवाब में मैं इनका कहना चाहता हूँ कि इस सम्बन्ध में कोई देर नहीं हुई है। तुरन्त कार्रवाई की गई है और जो लोग इस के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं, उन के खिलाफ कार्रवाई की गई है —

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या की गई है ? ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : उन्होंने खुद कहा है कि निरन्तर किया है। आगे जांच चल रही है।

उन्होंने कहा है कि इस तरह की घटना होती रही हैं। यह बात गलत है। इस तरह की घटना पहली बार हुई है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : एक और हो चुकी है।

श्री कमला मिश्र मधुकर : आगरा में क्या हुआ था ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : 1976 की घटना का जिसमें इन्होंने जिक्र किया है वह इस तरह की घटना नहीं थी। उसमें कम फ्यूल भरने की बात थी। उसके सम्बन्ध में जो कार्रवाई की गई अगर आप चाहें तो उसकी रिपोर्ट भी मैं आपके सामने रख सकता हूँ।

माननीय सदस्य ने पूछा है कि कोई प्रोसीजर है या नहीं। मैं बताना चाहता हूँ कि निश्चित प्रोसीजर है। इसकी जिम्मेदारी दोनों कारपोरेशंस के लोगों के ऊपर है, इंडियन आयल कारपोरेशन के इम्प्लायीज के ऊपर भी है और एयर इंडिया का जो इंजीनियर होता है, वहां उसके ऊपर भी है। प्रोसीजर पढ़ कर सुना देता हूँ :

"The IOC checks the fuel before and after the bowzers are filled with fuel from the storage tank.

जब बाउजर्स भरे जाते हैं उस के पहले इंडियन आयल कारपोरेशन के एम्प्लायीज उस को चेक करते हैं।

"While at the fuelling stage, the fuel is checked for contamination. Before actual refuelling takes place, fuel is taken out of the hose nozzle in a jar, which is checked for contamination with the operator"—operator here means Air India engineer—"A powder is put into it. If the colour turns pink, that means the fuel contains water".

यह प्रोसीजर है। इसके मुताबिक चेकिंग होनी चाहिए। इस में फ्लोर हुआ है

(श्री अनन्त प्रसाद शर्मा)

और दोनों की जिम्मेदारी है। इसी लिए अभी यह कार्रवाई की गई है।

आपने कहा है कि इससे खतरे हो सकते थे। मैं यह कहना चाहता हूँ कि खतरे हो सकते थे या नहीं हो सकते थे यह तो अभी मैं नहीं कह सकता लेकिन फिर भी यह गलत बात हुई है। यह बहुत बड़ी गनती हुई है, दोनों कारपोरेशंस के कर्मचारियों की तरफ से इसलिए डायरेक्टर जनरल सिविल एवियेशन की तरफ से इनकवायरी की जा रही है।

इन्होंने यह भी कहा है कि अगर यह हवाई जहाज टेक आफ कर गया होना तो उसके बाद कितने बड़े खतरे थे। टेक आफ का जहाँ तक सवाल है, मैंने स्टेटमेंट में बताया है कि इंजन का चलना बन्द हो गया, इसलिए टेक आफ होने का कोई सवाल नहीं था।

आपने यह भी कहा है कि ड्रग टर्मिनल मैनेजर या एयरपोर्ट मैनेजर के खिलाफ भी कोई कार्रवाई की बात है, इसके सम्बन्ध में मैं यह कहना चाहता हूँ कि उसके खिलाफ कोई कार्रवाई करने की बात नहीं है क्योंकि इसका इसमें कोई सम्बन्ध नहीं है।

टेक का जहाँ तक सवाल है यह बिल्कुल लाजिमी बात है कि इसकी बराबर देखभाल और जांच होती रहती है। इस बात का इसमें पता चल जाता है कि जो बाउजर नम्बर मैकेन एयर था उसके अन्दर से जो पेट्रोल निकला उस में ही खराबी थी औरतों में खराबी नहीं थी। दो इजनों में यह भरा गया और दो बाउजरों से भरा गया। दूसरे में कोई खराबी

नहीं निकली। इसलिए समय समय पर इसकी जांच भी होती है।

मैं आश्वासन देना चाहता हूँ कि यह एक बहुत सीरियस घटना है, इंसीडेंट है। इसी रूप में हम इसको ले भी रहे हैं। इसकी इनकवायरी हो रही है। इनकवायरी की जो रिपोर्ट होगी उसके आधार पर दोषी व्यक्तिओं के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, जो लोग इसके लिए जिम्मेदार होंगे उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**SHRI NAWAL KISHORE SHARMA**  
(Dausa): In reply to the Calling Attention Notice the Minister admits lack of vigilance on the part of Air India engineers. He also admits that there was contamination of water with fuel. Contamination of water with petrol and other petroleum products is a very serious matter. The hon. Minister of Petroleum is here by chance. I would like to draw his attention to the fact that many complaints have been made and are being received by the Ministry, IOC and other oil companies about contamination of water with petrol and kerosene oil with diesel and lubricants. In spite of repeated complaints, no concrete step has been taken. There has been a talk going on about colouring of kerosene oil. But no concrete result has come so far. Contamination is a dangerous thing for the transport system. This matter requires careful scrutiny. I hope this incident would be an eye-opener not only for Air India but also for oil companies.

The system of re-fuelling by Air India requires a close scrutiny of course, the Minister will take disciplinary action against the engineer concerned. He has already been put under suspension. But may I know whether, in his view, mere suspension is enough? After all, it was a case of gross negligence and criminal negligence. In such a case, will more

suspension be enough? I personally feel that in such cases not only suspension and disciplinary action would meet the ends of justice but also severe punishment should be awarded to him. Efforts should be made to book that person before the court and get him punished for this criminal negligence. I do not find a word about this in the Minister's statement. Is the Minister contemplating any action under the Criminal Law or any other enactment against the guilty person so that he can be booked?

12.44 hrs.

[MR. SPEAKER in the Chair]

Secondly, is it a fact that there have been many press reports about short filling of fuel in the planes of Air India and Indian Airlines? It is reported that this short filling is a regular process because the cost of the fuel is very high, probably Rs. 3300 per tonne. Every air craft requires 60 to 70 tonne of fuel per trip. Therefore, the short-fuelling of even 3 or 4 tonnes of oil would mean a lot of money. This practice is being followed, this foul game is going on, both in the IAC and AI, of course in league and collusion with the IOC and other oil companies. I would like to know whether any complaints have been brought to the notice of the Minister, through the press or otherwise and, if so, what action has been taken. Is there any system whereby the fuel supply of each aircraft is checked? When an aircraft travels a particular distance, the consumption of fuel must be known to both Air India and Indian Airlines. Are the accounts of fuel audited or checked to find out whether there is really any excess or short supply? If it has not been done, would the Minister make an enquiry into this to find out whether the complaint of short supply of fuel to the aircraft is true and, if so, take appropriate action? I have no doubt that this would result in a lot of saving in fuel to both Air India and Indian Airlines.

Coming to the question of negligence, it has fortunately been admitted by the Minister that the responsibility has been fixed on the engineers. But, was it a solitary case of negligence, or it has been going on for the last so many years? I am asking this question, because both the aircrafts were not checked. Would he find out why this contamination while refuelling was not checked by the Indian Airlines?

MR. SPEAKER: Do you mean constant check?

SHRI NAWAL KISHORE SHARMA: In this case, 25 per cent of water was mixed with oil.

SHRI A. P. SHARMA: In the sample only.

SHRI NAWAL KISHORE SHARMA: That sample was taken out of the aircraft. Therefore, the question which puzzles me, and which requires attention of the Minister is, whether an aircraft can fly if there is contamination of 5 per cent, 2 per cent or even 1 per cent of water. This question requires deeper study. A Technical Expert Committee should go into this question. Because of the very high cost of fuel, the change of contamination will always be there.

I require answers to these question. I hope the Minister would not be content by giving a statement that disciplinary action is being taken against an engineer. I think something more has to be done in this case. Not only disciplinary action should be initiated but there should be speedy action.

MR. SPEAKER: The big fish should also be detected, not only the small fry.

SHRI NAWAL KISHORE SHARMA: 'As rightly pointed out by the hon. Speaker, in the case of IOC, only smaller persons have been suspended. The man in charge has not been suspended; only disciplinary

[Shri Naval Kishore Sharma]

action is being taken against him. Perhaps, the Minister has done much more. But, according to the report, only four persons, lesser fry, smaller persons, have been suspended. In view of this, I would like to have a categorical assurance from the Minister.

SHRI A. P. SHARMA: Sir, I would like to draw again the attention of my hon. friend, Shri Nawal Kishore Sharma, to the statement that I have made in the beginning. That is the answer to the last question that maximum permissible limit is .0003 per cent water. That is the maximum permissible. If it is more than that, certainly it calls for action.

SHRI NAWAL KISHORE SHARMA: The question is whether a plane can fly in spite of this maximum permissible limit. That question has to be answered.

SHRI A. P. SHARMA: Sir, I suppose that should be the meaning. I am not an expert, but that should be the meaning that a maximum of .0003 per cent is permissible—contamination.

MR. SPEAKER: Not mixture, but contamination.

(Interruptions.)

AN HON. MEMBER: It is moisture.

SHRI A. P. SHARMA: Sir, this is what I can say for the present. My friend has raised several questions. Firstly he has raised the general question of other petroleum products. Sir, the question is very much limited. The question is limited to this particular incident that has taken place with Air India. Therefore, I do not think that this could come under this Calling Attention notice.

MR. SPEAKER: Which one?

SHRI A. P. SHARMA: He has raised the question of other petroleum products.

MR. SPEAKER: You are very very intelligent to have the Petroleum Minister along with you here.

SHRI A. P. SHARMA: It is all right, Sir, but I would like to request you also to use your judgment that the Calling Attention is not for all the petroleum products.

MR. SPEAKER: Not all this. It is only about fuel.

SHRI A. P. SHARMA: Yes, Sir. This question is limited to the fuel that has been taken by the Air India through the IOC bowsers at Bombay.

He has raised the question of Air India's strict scrutiny in all these matters. According to the procedure laid down, before this petrol goes into the tank of the aircraft it has to be checked by Air India engineer. It is only because he has not done that, he has been held responsible. So, there is a strict procedure laid down and for that only he has been held responsible. For other things the petroleum people have been held responsible and the Indian Oil Corporation has taken action against them.

Sir, he has also raised the question whether I would be satisfied with a mere suspension. I have already stated that suspension is the first step. The investigation is going on. After the investigation report is available and the responsibility is fixed on the particular person or persons....

SHRI NAWAL KISHORE SHARMA: It is already fixed, you admit that it was not checked. So, what investigation you have made?

SHRI A. P. SHARMA: My friend is a lawyer, he knows that even a person who is supposed to be an admitted criminal has a right to defend himself. So, about the man who has been suspended, inquiry is going on, and in that inquiry he has a right to defend himself. Therefore, we have taken action and I want to assure the hon. House and the hon. Member that after

the report of the inquiry comes, serious action will be taken against the person concerned found guilty in this case.

MR. SPEAKER: Not one person.

SHRI A. P. SHARMA: I said 'person' or 'persons'.

Sir, he has talked about the criminal negligence. Again I would say that he is a lawyer and if he goes through the aircraft rules, he will find that this case only attracts the attention of the Aircraft Rules, 1937, it does not fall in the category of criminal negligence. Therefore, necessary action is being taken, inquiry is being conducted and I again assure that the person or persons found guilty in this respect will be severely dealt with.

He has raised the question of short-fuelling. I have already stated in answer to Shri Madhukarji that this is the first time where this incident has taken place. So far as the question of short-fuelling is concerned, from time to time, I have got no concrete example before me. But, from time to time, if a report has come through the newspapers or from any other sources, enquiries have been conducted and they have not been found correct. This is the position so far as the short-fuelling is concerned.

Sir, he has asked what action has been taken against short-fuelling. So far, only one case, as I have said, in 1976 had taken place and it was found correct—of short-fuelling—and action had been taken. After that, no such case has come to our notice.

Now, he has raised the question of consumption of fuel. It has been prescribed and according to that fuel is given to the aircraft. Nothing more and nothing less. According to the prescribed system, the fuel is given. I want to tell my hon. friend that this is the solitary case. But he has again and again asked whether any such case has taken place in the past or not. This

is the first time that such a thing has taken place and we have taken a serious view of the whole thing.

श्री हरीश रावत (अल्मोड़ा) :  
अध्यक्ष जी, इस घटना से हमारे देश के तीन प्रतिष्ठान—एअर इण्डिया, इंडियन एअर लाइन्स और इण्डियन आयल—की प्रतिष्ठा को भारी धक्का लगा है। मैं समझता हूँ कि न केवल हमारे देश में ही बल्कि देश के बाहर के जो एअरक्राफ्ट हमारे देश में लैंड करते हैं उन कम्पनियों को भी आज आशंका पैदा हो गई है। जैसा कि अभी राजेश पायलट जी बता रहे थे कि 0.5 परसेण्ट पानी की मात्रा होने पर भी इंजन स्टार्ट हो सकता है।

SHRI RAJESH PILOT (Bharatpur): I will, ask the hon. Minister only one question, if he permits. Everything would be clear. Normally before a flight, ground fuelling is given to the engines.

MR. SPEAKER: In the call attention, we cannot allow anybody else to do this. That would be a bad precedent for others.

AN HON. MEMBER: As a special case...

SHRI G. M. BANATWALLA (Ponnani): It can be matched by an answer of the Petroleum Minister.

MR. SPEAKER: He can answer about the people at the helm of affairs who should have checked and kept supervision or not. If they have not checked, he should have taken action. It is a very serious matter. He should have been seized of the matter.

श्री हरीश रावत : यह सवाल केवल इस घटना के तबनीकी पक्ष का ही नहीं है। हो सकता है इस के विषय में मंत्रालय के लोग संतोष दिलवा दें लेकिन इस घटना से प्रतिष्ठान की प्रतिष्ठा पर जो आंच आई है उसको आप कैसे दूर करेंगे—सवाल

[श्री हरीश रावत]

इस बात का है। मुझको जो जानकारी मिली है वह यह है कि मंत्रालय के लोगों ने मंत्री जी को भी इस घटना की जानकारी एक तारीख की शाम को दी जब कि बाम्बे से प्रकाशित किसी अखबार में यह समाचार छपा। इतनी गम्भीर घटना हो जाए और उसकी जानकारी मंत्री महोदय को न दी जाए जो कि इस मदन और जनता के प्रति उत्तरदायी हैं तो निश्चित तौर से यह एक गम्भीर मामला बन जाता है। मैं समझता हूँ मंत्री जी को बड़ी गम्भीरता के साथ इस घटना को लेना चाहिए।

मैं उनके माध्यम से पेट्रोलियम मिनिस्टर से भी निवेदन करना चाहूंगा कि इस प्रकार की मिलावट को बात उनके मंत्रालय के लिए कोई नई बात नहीं है। इस देश की साधारण जनता मिट्टी के तेल, डीजल और पेट्रोल में मिलावट की भुक्त-भोगी है लेकिन अगर इंडिया एयर लाइन्स और एयर इंडिया भी उनकी इस नैगि-जेंस को भुगत रहे हैं तो यह उनके लिए गम्भीर रूप में सोचने की बात है।

12.00 hrs.

अभी हाल ही में पब्लिक अण्डरटेकिंग कमेटी के समक्ष एक मामला आया था जिसमें रोहनक की घटना का जिक्र था जहां 14 हजार लीटर पानी इंडो बर्मा पेट्रोलियम कम्पनी के एक टैंक में पाया गया। इसी प्रकार की कई दफा घटनाएं घटित हुई हैं। मेरा पेट्रोलियम मंत्री जी से भी निवेदन है कि वे अपने यहां भी कार्यवाही करें और मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूँ कि वे एयर लाइन्स और एयर-इंडिया के लोगों को निर्देश दें कि तेल लेने से पहले टैंक में भी प्रापर चैकिंग को जाए, जो आउण्ड टैंक होता है। उसके

बाद एयरक्राफ्ट तक तेल भरने की चैकिंग करने का सिस्टम प्रापका है। मैं चाहता हूँ कि उसको प्रापरली चैक किया जाए। उम्मीद है कि मंत्री जी इस और अवश्य ध्यान देने की कृपा करेंगे कि :

इसके अतिरिक्त न्यूजपेपर में यह भी निकला है, जैसा कि एयरपोर्ट अपारिटी ने कहा है कि न तो उनके पाम इतना स्टाफ था और न इंडियन आयल कम्पनी के पाम इतना स्टाफ था कि वे एक माथ कई फ्लाइट्स को चैक कर पाते हैं। यह तो मेंडेटरी चैकिंग है। वह हमेशा रैगुलरली चैक नहीं की जाती है। क्या यह मत्यता है कि मामले को एक दूसरे के मिर पर डाल-कर हल्का करने की कोशिश की जा रही है। इसको वे कृपा कर के देखने का कष्ट करें। आपने कहा है कि यह प्राग्मिक एन्व्वायरी है, जैसा कि आपने मदन में बताया, लेकिन इसकी डिटेल् एन्व्वायरी से भी क्या आप मदन को अग्रगत करने का कष्ट करेंगे? टैंकर में पानी मिलने की वजह से उस दिन और भी फ्लाइट्स कैमिल हुई थी। मैं यह जानना चाहता हूँ कि कितनी फ्लाइट्स उस दिन कैमिल हुई और उसमें अण्डरटेकिंग को कितना नुकसान हुआ? कहा यह गया है कि अण्डर आउण्ड टैंक में निकेज हुआ है। क्या इसकी भी प्रापरली चैकिंग की गई थी या नहीं की गई थी कि पानी वहीं पर तो नहीं पहुंच गया, इस विषय में भी कृपया स्पष्ट करने की कृपा करें?

अध्यक्ष जी, मुझे ऐसा लगता है कि इस प्रतिष्ठान के वर्कशाफ की हालत बहुत खराब है। उसके इन्जीनियर्स प्रापरली चैकिंग इत्यादि नहीं करते हैं। इस प्रकार के नैगलिजेंस के मामले न आये हों, लेकिन अलग प्रकार के मामले लाइट में आते रहे हैं। पीछे भी नैगलिजेंस के ऊपर कई बार इन्व्वायरी हुई है, उन इन्व्वायरी

में कितने लोगों को सस्पेंड किया गया और कितने लोगों को परमानेंटली नौकरी से निकाला गया। इसको भी कृपया स्पष्ट करें? हमको यह आशंका है कि इसके बाद जो इन्क्वायरी होगी, उस इन्क्वायरी पर साधारण-सी विभागीय कार्यवाही करके कोई सख्त एक्शन नहीं लिया जाता है, जैसा कि माननीय सदस्यों ने कहा है। मामला काफी गम्भीर है, और ऐसे मामले पर साधारण-सी विभागीय कार्यवाही करके छोड़ दिया जाए, तो जनता के प्रति हम अपने उत्तरदायित्व की पूर्ति नहीं कर सकते हैं। इसलिए ये आपसे पूछना चाहता हूँ कि इस विषय में किम तरह से स्ट्रिक्ट एक्शन लेने का आपका प्रस्ताव है? क्या मुझसे आप पेट्रोलियम मंत्रालय को स्ट्रिक्ट एक्शन लेने के लिए दूँगे?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का यह कहना कि इस तरह की घटनाओं से हमारे संस्थान की प्रतिष्ठा को धक्का पहुंचना है, मैं इससे बिल्कुल सहमत हूँ। यदि इस तरह की कभी कोई घटना होती है, तो वह लोगों की गलती में होती है और उन गलतियों को हम सुधारने की कोशिश करने हैं और उनके खिलाफ कार्यवाही करने हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : गलती है या सेबोटज है?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : यह तो वाजपेयी जी, जब रिपोर्ट आएगी, तो मालूम होगा कि उसके अन्दर क्या है, अभी तो प्राइमार्फैसी हमको मालूम हुआ है कि जिन लोगों ने अपने कर्तव्य का पालन ठीक तरह से नहीं किया है, उसी के सम्बंध में बातें कर रहे हैं।

श्री राम बिलारु पासवान (हाजीपुर) : यदि उस फ्लाइट में प्रधान मंत्री होती, तो सेबोटज हो जाता।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : आप इस सम्बन्ध में बातें करिए। बेकार की बातें करने से कोई फायदा नहीं है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : कोई विदेशी हाथ भी हो सकता है।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : वाजपेयी जी विदेश मंत्री थे, इस लिए उन को विदेशी नजर आते हैं, इस में हम क्या करें?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हमें तब नजर आते थे, आज आप को नजर आते हैं।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : यह जो देर से सूचना मिलने की बात है, मैं यह कहना चाहता हूँ कि इस के सम्बन्ध में पहली कार्यवाही की गई है, लेकिन चूँकि शनिवार और रविवार का दिन था . . . .

श्री हरीश रावत : आप को कब पता लगा ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मैं इस बात को कह रहा हूँ कि मुझे देर से सूचना मिली, लेकिन उस का एक कारण यह था कि उस दिन शनिवार और रविवार था, फिर भी सूचना हम को मिल जानी चाहिए थी। मैंने इस के सम्बन्ध में कार्यवाही की है कि जितना वक्त इस तरह की घटना हो, मुझे तुरन्त सूचना मिलनी चाहिए।

जहां तक रोहनक की बात है कि वहां पेट्रोल में पानी मिलाया गया, मैं समझता हूँ यह बात इस प्रश्न से सम्बन्ध नहीं रखती है। फिर भी आप ने जितना सूचना के लिए कहा है, मेरे साथी पेट्रोलियम मिनिस्टर बैठे हुए हैं, वह जरूर इस बात की देख-भाल करेंगे कि यह बात ठीक है या गलत है।

[श्री अनन्त प्रसाद शर्मा ]

आपने कहा कि एअर-इण्डिया के लोग भ्रमण से जा कर इन टैकों को चैक क्यों नहीं करते हैं—एअर इण्डिया के लोग टैक्स को चैक नहीं कर सकते हैं, इस के लिए इण्डियन प्रायल कारपोरेशन के लोग हैं . . . .

श्री हरीश रावत : आप जैनरल इस्पैक्शन की व्यवस्था कर सकते हैं ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : वह व्यवस्था है ।

श्री हरीश रावत : यदि मैंने टेक्नीकल वंड्स में नहीं कहा है तो इस का यह मतलब नहीं है कि आप एक्सप्लेन न करें ।

अध्यक्ष महोदय : चोर के साथ चोर की मां को भी पकड़ो ।

श्री हरीश रावत : मैं केवल क्लेरिफिकेशन के लिये एक बात पूछना चाहता हूँ—इस घटना में एअर इंडिया की प्रतिष्ठा पर आंच आई है, देश की प्रतिष्ठा पर आंच आई है । बाहर से जो विदेशी यात्री यहां आते हैं उनके मन में जब हिन्दुस्तान का जहाज फ्यूल लेकर चलता होगा तो यह आशंका रहती होगी कि जहाज कहीं रास्ते में फेल न हो जाये, क्योंकि यहां फ्यूल में पानी मिला होता है । इसके लिये टाप से लेकर वाटम तक सब लोग जिम्मेदार हैं । मैं जानना चाहता हूँ कि एअर इंडिया के चेयरमैन और अन्य अधिकारियों के खिलाफ आप क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं जिसे एयर-इंडिया की प्रतिष्ठा बनी रह सके और देश यह जान सके इस प्रकार की नेग्लिजेंस करने वाले चेयरमन तथा अन्य अधिकारियों के खिलाफ भी एक्शन लिया जा सकता है ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : वहां पर जिम्मेदारों भ्रमण-भ्रमण बटी हुई है ।

जब एअर-क्राफ्ट से सम्बन्ध होता है और पेट्रोल एअर-क्राफ्ट में चला जाता है तो एअर-इण्डिया के लोग चैक करते हैं, लेकिन उसके पहले इण्डियन प्रायल कारपोरेशन के लोग चैक कर के देते हैं । इसी लिए उनकी जिम्मेदारी होती है ।

आपने पूछा कि वहां पर काफी कर्मचारी हैं या नहीं हैं ? इसका अन्दाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि दो एयर-क्राफ्ट्स थे तो इन्जीनियर्स भी दो थे, एक इन्जीनियर उनको नहीं देख रहा था । हमारे पास ऐसी कोई सूचना नहीं है कि वहां पर आदमियों की कमी है ।

आपने किसी और घटना के बारे में जानना चाहा है—मैं कहना चाहता हूँ कि इस के बिना अभी तक इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है । भागों का ईश्वर मानिक है ।

श्री हरीश रावत : इस प्रकार की नहीं हुई है, लेकिन अन्य दुर्घटनायें तो हुई हैं । आपने दोगी लोगों के खिलाफ क्या एक्शन लिया है ?

SHRI A. P. SHARMA: My difficulty is that of making it clear to you that we are not discussing accidents in general and incidents in general.

अध्यक्ष महोदय : आप अपने प्रश्न तक ही रहें ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : इस तरह का इन्सीडेंट एअर-इण्डिया के साथ कभी नहीं हुआ है । यह पहली घटना है । चूंकि इस तरह की घटनायें भूतकाल में कोई नहीं हुई है इसलिए लोगों के खिलाफ कार्यवाही की बात कहां उठती है ? अब यह घटना हुई है तो इसके

सम्बन्ध में कार्यवाही की जा रही है और जो लोग दोषी पाये जायेंगे वे दण्डित किये जायेंगे—ऐसा आश्वासन मैं देना चाहता हूँ।

**श्री हरीश रावत :** दूसरी चीज यह है कि जब पेट्रोल वाउजर से फ्यूल टैंक में ले जा कर डालते होंगे तो वहाँ भी चैकिंग की व्यवस्था होती होगी। फिर जब एयर क्राफ्ट के टैंक में डाला जाता होगा तब चैकिंग करने होंगे। पाइलट के घाने के वक्त चैकिंग होती होगी। जब तीन-चार मौके आपके चैकिंग के थे, उम वक्त आपके इंजीनियर इस को लोकेट नहीं कर सके, जब कि उन मौकों पर इसका पता लगाया जा सकता था। इन तीन-चार मौकों पर किमी ने इसको लोकेट नहीं किया किमी को इसका पता नहीं लगा कि फ्यूल में पानी मिला है या नहीं मिला है। इस विषय पर तो आप कुछ नहीं कह रहे हैं ?

**श्री अनन्त प्रसाद शर्मा :** मैंने पहले ही कहा है कि इस अप्रेशन में नीचे से ले कर ऊपर तक लोगों की अलग-अलग जिम्मेदारी होती है। जिस काम के लिए जो लोग जिम्मेदार हैं उन्हीं से जवाब-तलब किया जा सकता है। जो लोग इस सम्बन्ध में जिम्मेदार पाए गए उनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। उसके साथ साथ डी०जी०मी ए० की एक इन्क्वायरी बैठी हुई है। उम इन्क्वायरी की रिपोर्ट जब हमारे पास आ जाएगी और उसके फलस्वरूप जो हमें पता चल सकेगा कि कहां-कहां किस-किस की जिम्मेदारी है, किम की नहीं है, उन सारी बातों को देखते हुए हम फिर कार्यवाही करेंगे।

इन्होंने चैकिंग की बात कही। चैकिंग का प्रोसीजर डिटेल्स में पहले ही बता चुका हूँ। जहां तक इसका पता लगने या न लगने का प्रश्न है कि यह कब पता लगा,

यह तब पता लगा जब कि इंजिन स्टार्ट किया गया।

**SHRI RAJESH PILOT:** A specification is there when the bowser is taken from the stores; there is a specification.

**SHRI A. P. SHARMA:** I have explained that there is a specification. The fuel is taken from the bowser into a jar. I have also said that, at that point of time some material is put in that and if the colour indicates pink, then only you come to know that there is water. I have explained all these things.

**SHRI RAJESH PILOT:** That is the last chec.

**अध्यक्ष महोदय :** यह इण्डियन आयल वाले करते हैं या एयर इंडिया वाले करते हैं ?

**श्री अनन्त प्रसाद शर्मा :** इंडियन आयल वाले पहले करते हैं और लास्ट में एयर इंडिया की रिस्पॉसिब्लिटी है कि वह इसकी चैकिंग करे।

**अध्यक्ष महोदय :** चैकिंग के वक्त कोई नहीं था ?

**श्री अनन्त प्रसाद शर्मा :** सर मुमीवन तो यह है कि इस तरह से लोग कहते हैं कि अगर कुएं में भंग पड़ जाए (व्यवधान)

**श्री चन्द्रजीत यादव :** यह गलत-सलत जवाब दे रहे हैं। आपकी एजेन्सी ने पता लगा लिया लेकिन जिसकी एजेन्सी ने पता नहीं लगाया, वह जवाब नहीं दे रहे हैं। (व्यवधान)

**श्री अनन्त प्रसाद शर्मा :** मैं कह रहा हूँ कि उनकी एजेन्सी वालों ने भी पता लगाया तभी उनके आदमी सस्पेंड हुए। अभी इन्क्वायरी हो रही है।

श्री चन्द्रजीत यादव : आपके लोगों ने जो लैस्ट चेक किया, उससे पता चला। जो फ्लैट और सेकिड चेक हुआ था उसमें पता नहीं चला।

Because they were responsible, they have been suspended. That is correct.

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : अगर पहले चेक के लिए लोग दोषी नहीं ठहराये जाने तो उन्हें मस्पेंड नहीं किया जाता। पहले चेक करने की जिम्मेदारी प्रायल इंडिया की है, बाद में एयर इंडिया की जिम्मेदारी है। इसी लिए दोनों के खिलाफ कार्यवाही की गई है।

अध्यक्ष महोदय : दोनों ने प्रायलों पर पट्टी बांध ली थी।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सर, आई एग्जी विद यू। मैं तो यह कह रहा था कि अगर कुएँ में भंग पड़ जाए तो मारा पानी उथला हो जाएगा। दोनों एजेंसियाँ करने वाली हैं और दोनों की ही गनती है। दोनों के खिलाफ इन्क्वायरी कराई जा रही है।

MR. SPEAKER: That is an assurance from both the Ministries.

श्री जी० एम० बनानवाला : उनको खड़े हो कर अभ्यारेंस देनी चाहिए थी।

شہری جی - ایم - ہلات والا (ہونانی) :  
لین کو کوڑے ہو کر ایسٹوریلس دیلیں  
چاہئے تھی -

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मैं जब कह रहा हूँ तो आपको इस बात को मान लेना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : शर्मा जी की बात को मान लो। श्री रामावतार शास्त्री।

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष जी, बोइंग 707 के दो विमानों में पेट्रोल में पानी मिलाने के बाद जो हमारे देश की प्रतिष्ठा घटी है ....

13.15 hrs.

[SHRI CHANDRAJIT YADAV in the Chair]

उसके लिए हम सब लोगों को बहुत अफसोस है। अब तक तो हम लोग समझते थे कि रेल गाड़ियों में सफर करना ही ज्यादा खतरनाक बात है, लोग समझने लगे थे कि रेल दुर्घटना से बचने के लिए हवाई जहाज से सफर करना चाहिए। लेकिन 707 बोइंग की इस घटना के बाद इनकी भारी मात्रा में प्रतिष्ठा पर आपके विभाग ने और माननीय शिव शंकर जी के विभाग ने लगाई है। इसको कैसे आप ठीक कीजिएगा? मबाल यह है। आपने कहा कि हमने प्रारम्भिक इन्क्वायरी करवाई है। कुछ छोटी मछलियों को तो आपने कड़ाई में डाल कर तल दिया, लेकिन मगर-मच्छ जो जवाबदेह हैं, जिनकी तरफ रावन जी ने धाखिर में इशारा किया, क्या कोई जवाबदेही इंडियन प्रायल कार्पोरेशन के चेयरमैन की है या नहीं? इनकी नेकनामी हिन्दुस्तान में कितनी बढ़ी है, इसकी कई बार चर्चा हो चुकी है। "ब्लिट्स" में निकल चुका है, 3-3 करोड़ रुपये के घोटाले के बारे में। (संवधान)

आप इनका नाम जानना चाहते हैं? उनका नाम है\*\*। इनको कोई नहीं पकड़ रहा है।

मैं पहले तो यह जानना चाहता हूँ, कि माननीय शर्मा जी से और उनके बगल में बैठे मंत्री जी से कि आप दोनों के विभागों

की प्रतिष्ठा को बचाने के लिए और हवाई जहाजों से यात्रा करने वाले यात्रियों के मन में विश्वास पैदा करने के लिए क्या यह आवश्यक नहीं है कि फौरन से पेश्तर इंडियन आयन कारपोरेशन के चेयरमैन को बर्खास्त किया जाए ? क्या आप यह आवश्यक नहीं समझते? क्या यह बात भी सही है कि इनका ट्रांसफर इस विभाग से हो गया था, लेकिन वे अभी तक आसन जमाए हुए बँडे है ।

श्री आचार्य भगवान देव (भ्रजमेर) : अध्यक्ष महोदय, चोरी करे बेटा और वाप को गिरफ्तार कर लेना चाहिए ?

श्री रामावतार शास्त्री : अगर वे न रहते तो हो सकता है यह घटना न होती । वे अपना आमन यहाँ जमाए रखना चाहते हैं ताकि इस तरह की घटनाएं आगे भी घटती रहे ।

आपने कहा कि जांच करता रहे हैं, लेकिन किम तरह की जांच करवा रहे हैं ? . अखबारों में निकला है कि उच्चस्तरीय जांच, लेकिन आप के मन में उच्चस्तरीय जांच की कहीं चर्चा नहीं है । तो क्या विभागीय जांच करवा रहे हैं या मचमुच में उच्चस्तरीय जांच करवा रहे हैं । क्या आप समझते हैं कि विभागीय जांच से इस तरह की घटना का पता लगाने का काम हो सकेगा ?

एक मन्त्र और मैं जानना चाहता हूँ कि इस घटना के पीछे किसी किस्म का कोई यंत्र तो नहीं था ? 130 यात्री थे, जैसा कि अखबारों में छपा है । 130 यात्रियों में कुछ प्रमुख लोग भी थे ? अगर यह बताने की स्थिति में आप हों तो इस को भी बताएं । 130 की जगह तो इम्पार्टेंट थी ।

बहुत आवश्यक होने पर ही कोई हवाई जहाज से यात्रा करने की बात सोचता है । ये यात्री समय पर बम्बई से लुसाका नहीं

जा सके, दारेसलाम होते हुए । उन को कितनी क्षति हुई होगी ? आर्थिक भी हुई होगी, मानसिक भी हुई होगी । उन की क्षतिपूर्ति का भी आप कुछ विचार रखते हैं या नहीं ?

एक हवाई जहाज में कितना तेल डालने की क्षमता होती है ? कैपेसिटी तेल डालने की कितनी होती है और क्या इन दोनों हवाई जहाजों में कैपेसिटी के मुताबिक तेल डाला गया था या नहीं ?

आप ने कहा कि 25 प्रतिशत पानी था । जिन लोगों ने इस की जांच कर के यह पता लगाया कि इतना पानी था ? हो सकता है कि 50 प्रतिशत पानी हो । यह भी हो सकता है कि पानी में तेल मिलाया गया हो और पानी की मात्रा ज्यादा हो ।

इन तमाम बातों की जानकारी देश आपसे लेना चाहता है । हवाई जहाज में यात्रा करने वाले इस चीज को जानना चाहते हैं । जब तक इन तमाम बातों का सन्तोषजनक उत्तर आप नहीं देंगे आप कं कमाई पर भी इस का असर पड़ सकता है । लोग कम हवाई यात्रा करेंगे । हमारी आमदनी इस से कम होगी । विदेशी मुद्रा की कमाई भी कम होगी । इस वास्ते इन तमाम बातों को आप ठीक से बतायें ताकि लोगों का विश्वास आप के प्रति और हमारे राष्ट्र के प्रति जमा रह सके ।

एक और बात है । हवाई जहाज लेट बहुत चल रहे हैं । इस के बारे में भी कुछ बोल दीजिये ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सब से पहले तो मैं शास्त्री जी को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि उन की जीवन यात्रा, हवाई यात्रा बराबर सेफ रहेगी, सुरक्षित रहेगी —

श्री निरंजन लाल ब्राह्मण : (भीलवाड़ा) :  
आप कैसे दिला सकते हैं, यह तो ऊपर वाले  
के हाथ है ।

श्री चारुचंद्र भगवान देव : ये कम्युनिस्ट हैं । ये  
भगवान को मानते ही नहीं हैं ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मैं शास्त्री जी  
और अन्य माननीय सदस्यों से निवेदन  
करना चाहता हूँ कि इस तरह की कोई  
बात होती है तो हमारी प्रतिष्ठा को धक्का  
लगता है । मैंने रावत जी के सवाल के जवाब  
में माना है इस बात को। अब मेरा निवेदन यह है  
शास्त्री जी से कि इस की बहुत ज्यादा  
चर्चा कर के और उस धक्के को बढ़ाने की  
कोशिश न करें । मैं ने कहा है कि जो ह्यूमनली  
पारामिबिल बात हो सकती है की जाएगी...

श्री रामावतार शास्त्री : चेंबरमैन  
के बारे में भी कहिए ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : चार दिन के धू  
ही पहर रह रहा है ।

श्री राम बतार शास्त्री : ये नहीं,  
जिस चेंबरमैन का मैंने गुणगान किया है  
अभी, उस के बारे में ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मैं निवेदन  
करना चाहता हूँ कि कभी कभी इस तरह की  
घटना हो जाती है, मनुष्य के जीवन में भी हो  
जाती है, हम जो काम कर रहे हैं उस में  
हो जाती है । यह कोई जानबूझ कर करना  
नहीं है । मैंने पहले कहा है कि गलती हुई है ।  
अब इस की बार बार चर्चा करके और इसको  
और बढ़ा कर अपनी मर्यादा को  
ज्यादा धक्का पहुंचाने की कोशिश नहीं  
होनी चाहिए । यह मेरा निवेदन है ।

दूसरे जो आपने चर्चा की आई० प्रो०  
सी० के चेंबरमैन और बड़ी बड़ी मछलियों  
की, आप को यह ख्याल होना चाहिए कि

इस में जो सम्बन्ध रखने वाले हैं कोई ऐसी  
मछली नहीं है जिस की वकालत आप  
अपनी ट्रेड यूनियन से करें । यह सारे जिम्मेदार  
बड़े बड़े लोग हैं । . . . . .

श्री रामावतार शास्त्री : ट्रेड यूनियन को  
आप इसमें न लाइए ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : जो भी इस  
सम्बन्ध में दोषी होगा उसी को सजा देंगे ।  
तो यह कार्यवाही कर जा रही है और इन्क्वायरी  
बतायेगी कि कौन जिम्मेदार है और कौन  
जिम्मेदार नहीं है । और जो भी जिम्मेदार  
होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी ।

आप ने कुछ पंचकुण्ठिणी की बात की ।  
मुझे इस बात को कहने हुए दुःख होता है कि आप  
ने इधर पंचकुण्ठिणी को देखा नहीं ।

श्री राम बतार शास्त्री : मैं तो कन  
ही आया हूँ ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : यह हो सकता है  
कि जिस दिन आप आये हों उस दिन देर  
हो गई हो । यह आप का दोष है । मेरा क्या  
दोष है ?

MR. CHAIRMAN: Please allow the  
Minister to complete his reply. If  
anything remains un-answered then  
you may point it out at the end.

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सभापति जी,  
मैं यह कह रहा था कि आज कन इंडियन  
एयर लाइन्स और एयर इंडिया की पंचकुण्ठिणी  
का जहां तक मवाल है हमें इस बात की दाद  
मिली है कि पंचकुण्ठिणी मेन्टेन हो रही है,  
जिस की आप ने आलोचना की है । आजकल  
85 परसेंट से ज्यादा पंचकुण्ठिणी हो गई है  
बशर्ते जो इस में कमी होती है वह मौसम वगैरह

की वजह से अगर हो तो उसके लिए हम कुछ नहीं कर सकते। इसलिए पंचकुण्डी हमारी बड़ी है। और लोगों के आने जाने की जो बात आप करते हैं हानत यह है कि आज किसी भी हवाई जहाज में पूरे टिकट हम लोगों को नहीं दे सकते, और पिछले दिनों में हमारा एयर ट्रैफिक बहुत बढ़ा है। इसलिए ज्यादा हवाई जहाज खरीद रहे हैं और आपकी सुविधाएं बढ़ा रहे हैं।

सभापति जी, इन्होंने पूछा कि जहाज की पर्यून लेने की क्या कैपेसिटी है। तो मैं कहना चाहता हूँ कि अलग अलग जहाजों की अलग अलग कैपेसिटी है। आपने जो पूछा है कि जहाजों की कितनी क्षमता होती है ईंधन लेने की, अगर यह जानने में आप इंटरस्टेड है तो मैं आपको बतला दूंगा कि किस जहाज में कितनी ईंधन लेने की क्षमता होती है। इस समय हमारे पास यह सूचना नहीं है।

श्री रामावतार शास्त्री : मुझे खबर है कि इन दोनों जहाजों में एक लाख लिटर तेल डला गया।

श्री अरवि प्रसाद शर्मा : मैं इस बात को स्वीकार करता हूँ कि बहुत सी बातों में शास्त्री जी को मुझसे ज्यादा खबर है। लेकिन कुछ हमारी बात भी मान लीजिए। तो यह सूचना अभी हमारे पास नहीं है। इस जहाज की और अन्य सारे जहाजों में कितनी क्षमता तेल लेने की है वह मैं बतला दूंगा मदन के जरिये से।

एक बात उन्होंने पूछी यह जांच कहाँ हुई ईंधन की? यह आई० ओ० सी० की लेबोरेटरी में जांच हुई है, किसी आदमी ने नहीं की। और जो जांच करा रहे हैं इस चीज की वह डायरेक्टर जनरल, सिविल एविएशन करा रहे हैं जो इसके सम्बन्ध में अथॉरिटी है एअरक्राफ्ट्स ऐक्सीडेंट्स रूल के अधीन रूल 77 (सी), 1937 एयर क्राफ्ट

रूलस हमारे देश के हैं जिनके अधीन इन सारी बातों को देखते हैं। उसको देखते हुये जांच हो रही है, कोई विभागीय जांच इसके सम्बन्ध में नहीं हो रही है।

सभापति महोदय : इसमें एक चीज और बता दीजिए, चूंकि दो विभाग इसमें शामिल हैं, एक तो इंडियन आयल है, क्या उनका अधिकार होगा उनकी जांच करने का? उनका रिप्रैजेंटेशन कैसे होगा?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सभापति जी, हमने अपने डिपार्टमेंट को इन्वायरी भी अलग से सैट-अप की है एयर इंडिया की लेकिन ओवर एंड अब सारे इंसीडेंट्स की जांच रूल 77-सी के तहत हो रही है।

SHRI SUDHIR GIRI (Contai): Mr. Chairman, Sir, there was an occasion in the very recent past when a similar incident took place as regards Makalu. Immediately after that incident was detected, the Home Minister came forward and made a statement in this House. But, in this case, the incident was detected on Saturday. No Minister of the Government came forward to announce anything as regards this incident to the House till now. This is very serious. It is a matter of grave concern to us all. May I know whether the life of the Prime Minister is more valuable than the lives of so many passengers, who have been detained there for 28 hours? We do not find any Minister to come forward and take even a bit of care to make a statement in this House. Without taking time to make a long speech, I would simply put a question which is divided into different parts:

Will the hon. Minister please say why the junior officers only were suspended and the Terminal Manager (who is in overall charge) has been relieved of his duties only?

What is the date and time when the enquiry was conducted?

[Shri Sudhir Giri]

What is the date and time of the suspension of different officers?

What are the methods and the systems now in existence to ensure that the fuel is not adulterated?

May I know whether the report of this enquiry will be placed before this House?

May I know whether there were any incidents in the past when the crew of the Indian Airlines, in collusion with the officers of the IOC, arranged for short-lifting of fuel in the different stations, in order to gain some financial benefit out of it?

I would therefore request the hon. Minister to explain the position to the House and to give suitable replies to all my questions.

SHRI A. P. SHARMA: I thank him for the specific and brief question which he has put.

He referred to an incident which happened earlier when the Home Minister made a statement in the House.

Now, Sir, that was something different from this incident. This is an incident which comes under the Air Corporation Rules. This inquiry has been ordered under Rule 77(c) of the rules. There is no question of small or big, whoever had been found to be responsible had been taken out. This engineer of Air India who was responsible for carrying out the check failed in his duty, and, therefore, action was taken against him. If there is anybody else responsible for this and any responsibility has to be fixed on others, that certainly can be done on the basis of the enquiry report. As soon as we get the report of the enquiry, and if somebody else is found responsible, we will take suitable action.

The hon. Member has also asked whether the report of this enquiry being conducted by the D.G.C.A. will be placed on the Table of the House.

As usual in such cases, we will be placing the report of the enquiry in the Library for the information of the hon. Members after the report is received from the D.G.C.A. with his comments by the Government, and after the Government accepts the same.

Then, both the Air India and Indian Oil Corporation have taken immediate action. There has been no delay in that. So far as giving information to us here is concerned, I have accepted that there has been a delay, but a preliminary study was made by them immediately and action was taken, of course, the investigation in the case of Air India took three days time, and, therefore, the action was taken on 2-3-1982.

So far as the Oil India Corporation is concerned, as soon as the contamination in aviation fuel was detected, an on-the-spot study was conducted by the Senior Manager of the Marketing Division and based on that study, following actions were taken:

One, the Airport terminal manager was relieved of the charge effective 28-2-1982. Another officer was appointed to take charge of the airport station.

I want to give one more information; perhaps Shri Madhukar referred to that. The Air Terminal Manager was not an officer of the Air India; he was an officer of the Indian Oil Corporation and the action has been taken.

Then, three officers who were directly concerned with the fuelling service were suspended on 28-2-1982 and one officer on 1-3-1982 pending detailed investigation. There has been no delay in taking action. As soon as this was detected, immediate action was taken.

SHRI SUDHIR GIRI: I requested the hon. Minister to mention the time when the suspension order was given. The incident took place on Saturday and the suspension order was given only on 2-3-1982, that is when the Calling Attention notice had been serviced. The suspension order was given thereafter.

SHRI A. P. SHARMA: I have given the dates in each case in respect of Air India as also Indian Oil Corporation people. Now it is for the hon. Member to draw his own conclusions.

SHRI SONTOSH MOHAN DEV: Sir, this is lunch hour now. Lunch hour was dispensed with this morning only. The Speaker declared this morning only that the Lunch Hour will be dispensed with. That is why they are not present

13.39 hrs.

#### BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

##### TWENTY-SIXTH REPORT

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIAH): I beg to move:

"That this House do agree with the Twenty-sixth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 2nd March, 1982."

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That this House do agree with the Twenty-sixth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 2nd March, 1982."

*The motion was adopted.*

13.40 hrs.

#### MATTERS UNDER RULE 377

MR. CHAIRMAN: Shri Kamal Nath... Not present. These hon. Members who give notice for making a special mention under Rule 377 should see to it that they are present in the House for this. It is not a good practice that after pressing for making a statement they are not present.

SHRI SONTOSH MOHAN DEV (Silchar): The difficulty is that they do not know the time.

MR. CHAIRMAN: This is no excuse. They should know the time.

MR. CHAIRMAN: If the Hon. Member takes the trouble of seeing the papers, it was notified in today's papers that we will be sitting during lunch. Therefore, I am just bringing to the notice of the Members that this kind of lapse should not occur in future. If the Member is absent, then he should write to the Office of the Speaker so that it is known that he is not present.

(i) RECOVERY OF BLOOD PACKS IN GARBAGE DUMP BEHIND THE RED CROSS BHAWAN, NEW DELHI.

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur): There have been recent reports in the Press about the location in a garbage dump of some human blood packs behind the Indian Red Cross Bhawan, New Delhi.

Blood is donated by people for saving the lives of accident victims and for serious cases where blood transfusion is necessary. It is strange that blood donated to the Blood Bank of the Indian Red Cross should find its way in the form of plastic bags into the garbage.

It appears that for want of adequate storage facilities the blood donated could not be preserved for more than 21 days by the Red Cross organisation and a portion of it had, therefore, been disposed of.

According to the reports red fluid inside the packs found in the garbage contained only red corpuscles with the Plasma removed and that the Red corpuscles could not be utilised as the blood was more than 21 days old.

The point that arises is that if the Indian Red Cross organisation could not utilise the blood donated to it within 21 days, why was it not trans-